अथर्ववेद (Atharvaveda) : -

- सबसे लोकप्रिय वेद (Most popular Vedas)
- अन्य नाम - ब्रह्मवेद (Brahmaveda)
- सबसे नया वेद (Newest Veda)
- इसमें जादू टोना, वशीकरण, कृषि को प्रभावित करने वाले कीट, औषधि के बारे में
  (About witchcraft, captivity, insect affecting agriculture, Medicine.)
- कन्या जन्म पर निन्दा (Blasphemy on the birth of a girl child.)
- पढने वाला - ब्रह्म (Reader - Brahma)
- उपवेद - शिल्पवेद (Upveda - Shilpveda)

* इस वेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ (Two Daughters of Prajapti) कहा गया।

सभा :- राजा को सलाह देने वाली संस्था
समिति :- आम जनता या लोगो की बैठक

ब्राह्मण ग्रंथ (Brahmin texts)

* वेदो का सरल भाषा में रूपांतरण ⇒ ब्राह्मण ग्रंथ
  Conversion of Vedas in to simple language - Brahmanical texts
* ब्राह्मण ग्रंथ को वेदों की टीका भी कहा जाता है।
  The Brahman text is also called the commentary of the Vedas.

टीका ⇒ किसी का सरल भाषा में विस्तार से व्याख्या करना

* ऋग्वेद के ब्राह्मण ग्रंथ - ऐतरेय, कौषीतकी
  Brahmanical text of Rigveda - Aitareya, kaushitaki

* सामवेद के ब्राह्मण ग्रंथ - Imp पंचविश, षडविंश, जैमिनीय, आर्षेय
Brahmanical text of Samaveda - Imp Panchvish, Shadvish, Jaminiya, Arshey.

* यजुर्वेद के ब्राह्मण ग्रंथ - कृष्ण शाखा (तैतरेय), शुक्ल शाखा (शतपथ)
Brahmanical text of Yajurveda - krishna branch (Taitreya)
Shukla branch (Satapath)

* अथर्ववेद के ब्राह्मण ग्रंथ - Imp गोपथ ब्राह्मण ग्रंथ
Brahmanical text of Atharvaveda - Imp Gopath Brahmin text

वेदांग (Vedanga) - संख्या - 6

- शिक्षा (Education) - उच्चारण बताता है
- कल्प (Kalpa) - किस मंत्र का प्रयोग किस काम में करना
- निरुक्त (Nirukta) - वेदो की आत्मा (शब्द का प्रयोग) (Soul of Veda)
- छंद (Verse) - रचना का ज्ञान
- ज्योतिष (Astrology) - ग्रह, नक्षत्र का ज्ञान
- व्याकरण (Grammar) - व्याकरण को जानने वाला (Knowing Grammar)

* पाणिनी (Panini) - अष्टाध्यायी (Astadhyayi)

* रामायण (Ramayana) - रामायण सबसे पुराना महाकाव्य है।
  - Imp संस्कृत - महर्षि वाल्मीकि (Maharishi Valmiki)
  - Imp अवधी (Awadhi) - गोस्वामी तुलसीदास (Goswami Tulsidas)
    ↳ इनके द्वारा रचित ग्रंथ "रामचरितमानस" कहा गया
  - तमिल (Tamil) - कम्बन (Kamban)

rojgar with ankit

* Imp फारसी (Persian) - बदाँयूनी (Badayuni)
* बांग्ला (Bangla) - कृतवास (kritavas)
* Imp अंग्रेजी (English) - आर. टी. एच. ग्रिफिथ (R. T. H. Griffith)
* तेलुगु (Telugu) - भास्कर (Bhaskar)
* कन्नड़ (kannada) - कुमुदेन्दु (kumudendu)
* मैथिली (Maithili) - चन्दा झा (Chanda Jha)
* बालरामायण (Balaramayana) - भवभूति (Bhavabhuti)

श्री रामचरित मानस - 7 काण्ड : -
(Shri Ramcharit Manas - 7 kand)

1. बालकाण्ड (Balkand)
2. अयोध्या काण्ड (Ayodhya kand)
3. अरण्य काण्ड (Aranya kand) (वन से सम्बन्धित)
4. किष्किंधा काण्ड (kishkindha kand) (हनुमान और सुग्रीव से मिलते हैं)
5. सुंदर काण्ड (Sunder kand) (हनुमान जी से सम्बन्धित)
6. लंका काण्ड (Lanka Scandal) (रावण के साथ युद्ध)
7. उत्तर काण्ड (Lanka Scandal) (वापस अयोध्या आते हैं।

* सबसे बड़ा (Biggest) काण्ड - बालकाण्ड (Bal kand)
* सबसे छोटा (Smallest) काण्ड - किष्किंधा काण्ड (kishkindha kand)

महाभारत (Mahabharata)

* विश्व का सबसे बड़ा (Biggest) महाकाव्य
* पांडवो और कौरवो की चर्चा
* रचना (Writer) - वेदव्यास (Vedvyas)

rojgar with ankit

* अन्य नाम - जय संहिता (Other Name - Jaysahita)
* अंग्रेजी अनुवाद (English translation) - किसारी मोहन गांगुली
* रामायण और महाभारत लगभग 400 BC के आसपास लिखे गये

महाकाव्य
- रामायण
- महाभारत
- पृथ्वीराज रासो - चन्द्रबरदाई

पुराण (Purana) - 18

↳ सबसे पुराना पुराण - मत्स्य पुराण (सातवाहन वंश के बारे में)
Oldest Purana - Matsya Purana (About Satvahana Dynasty)

* भगवान विष्णु के 10 अवतारों के बारे में चर्चा अग्नि पुराण, भागवत पुराण, गरुण पुराण में की गई है।

* भगवान विष्णु के 10 अवतार (10 Avatars of Lord Vishnu)

1. मत्स्य अवतार (Matsya Avatar)
   └ मछली (fish)
2. कूर्मावतार (kurmavatar)
   └ कछुआ (Turtle)
3. वराहावतार (Varahavatara)
   └ सुअर (Pig)
4. नृसिंह अवतार (Narasimha Avatar)
   └ मुँह शेर का
5. वामनावतार (Vamanavatar)
   ↳ छोटे ब्राह्मण का रूप
6. परशुराम (Parashuram)
7. राम (Ram)
8. कृष्ण (krishna)
9. बुद्ध (Buddha)
10. कल्कि (kalki)

rojgar with ankit

* विष्णु पुराण (Vishnu Purana) - मौर्य वंश (Mauryan Dynasty)
* वायु पुराण (Vayu Purana) - गुप्त वंश (Gupta Dynasty)
* भागवत पुराण (Bhagavata Purana) - कृष्ण भक्ति (Krishna Bhakti)
* ज्वालोपनिषद - 4 आश्रम बताए गए हैं।
  - → ब्रह्मचर्य - 0-25 वर्ष (Brahmacharya ⇒ 0-25 years)
  - → ग्रहस्थ - 25-50 वर्ष (Householder ⇒ 25-50 years)
  - → वानप्रस्थ - 50-75 वर्ष (Vanprastha ⇒ 50-75 years)
  - → संन्यास - 75-100 वर्ष (Sannyas ⇒ 75-100 years)

नोट:- पुराणो के रचयिता ⇒ लोमहर्ष और उनके पुत्र उग्रश्रवा

Note:- The creators of the Puranas - Lomaharsha and his son Ugrashrava